साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 4 | अंक : 15 | गोंदिया : गुरुवार, 16 नवंबर से 22 नवंबर 2023 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

अर्पित उके हत्याकांड के 3 आरोपीयो को रामनगर अपराध शाखा ने किया गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया। दीपावली के दिन रेलटोली परिसर के गुजराती स्कूल के सामने दोपहिया वाहन को कट मारने को लेकर हुए विवाद में 3 आरोपियों ने अर्पित उर्फ बाबू उके की हत्या कर दी थी इस मामले में रामनगर अपराध शाखा ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के नाम कुडवा निवासी हर्ष छविंद्र वाघमारे, डब्लिंग कॉलोनी निवासी अंकज सोहनलाल राणे व रेलवे स्टेशन के आगे रेलटोली निवासी प्रविण सुनील मुटकुरे बताया गया है। दीपावली के दिन 12 नवंबर की रात करीब 11.30 बजे आंबाटोली निवासी अर्पित उर्फ बाबू ओमप्रकाश उके (23) अपने दोस्त राहुल डहाट के साथ मोटरसाइकिल से पाल चौक से गुरुद्वारा रोड़ से जा रहा था. तभी ट्रिपल सीटर बाइक पर आ रहे आरोपियों ने उसके बाइक को कट मार दिया. जिससे उनके बीच विवाद शुरू हो गया. इसी विवाद में तीनों ने मिलकर अर्पित उर्फ बाबू ओमप्रकाश उके पर धारदार हथियार से वार किया. जिसमें अर्पित की मौत हो गई। पीड़ित परिवार की शिकायत पर तीन फरार आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया. पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, उपविभागीय पुलिस अधिकरी सुनील ताजने ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस निरीक्षक संदेश केंजले को फरार आरोपियों की तत्काल तलाश कर गिरफ्तार करने के निर्देश दिये। स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस अधिकारी, अंमलदारों को मिली जानकारी के अनुसार आरोपियों को 24 घंटे के अंदर तलाश कर गिरफ्तार किया गया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, उपविभागीय पुलिस अधिकारी सुनील ताजने के निर्देश पर पुलिस निरीक्षक संदेश केंजले के मार्गदर्शन में अपराध शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक राजू बस्तावडे, हवलदार राजेश भुरे, सुनीलसिंह चव्हाण, जावेद पठाण, छत्रपाल फुलबांधे, आशिष अग्निहोत्री, पुलिस नायक बालकृष्ण राऊत, सिपाही कपील नागपुरे ने की।

जलाराम बापा जयंती महोत्सव 19 को

गोंदिया-224 वीं जलाराम बापा जन्म जयंती महोत्सव 19 नवंबर को जलाराम बापा मंदिर, जलाराम बापा मार्ग, रामनगर में आयोजित है. जिसमें सुबह 7.30 बजे आरती व पूजन, 10 बजे अशोक बाबूलाल माधवानी की ओर से दरिद्रनारायण भोज, दोपहर 12 बजे प्रियेश जोशी व सागर ललित सोनछात्रा द्वारा जन्म आरती, शाम 4.30 बजे शोभायात्रा रामदेवरा से निकलेगी. जलाराम मंदिर पहुंचेगी, शाम 6 बजे संध्या आरती व 6.30 से 9 बजे तक प्रसाद वितरण होगा. श्रद्धालुओं से उपस्थिति का आग्रह ट्रस्ट मंडल अध्यक्ष नरेंद्र हालानी, कार्यकारिणी समिति अध्यक्ष नंदकिशोर जयंतीलाल सोनछात्रा, चंद्रेश माधवानी व विनय रुपारेल ने किया है.

लोकशाही दिवस 4 दिसंबर को

बुलंद गोंदिया। जिले में आम जनता के लिए प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को लोकशाही दिवस का आयोजन किया जाता है. तदनुसार माह दिसम्बर के प्रथम सोमवार 4 दिसम्बर 2023 को प्रात: 11 बजे जिलाधिकारी के सभागार में जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे की अध्यक्षता में लोकशाही दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। लोकशाही दिवस के मौके पर जिलाधिकारी लोगों की शिकायतें, समस्याएं सुनेंगे और जिला स्तर पर विभिन्न सरकारी विभागों के प्रमुख अधिकारियों को इस संबंध में कार्रवाई करने का निर्देश देंगे. जिन नागरिकों ने लोकशाही दिवस कार्यक्रम के 15 दिन पूर्व अपना आवेदन जिलाधिकारी कार्यालय में जमा किया है वे लोकशाही दिवस में उपस्थित होकर अपनी शिकायतें, कठिनाइयां एवं शिकायतें प्रस्तुत करें। निवासी उप जिलाधिकारी चंद्रभान खंडाइत ने अपील की है कि जिले के सभी लोग इस पर ध्यान दें।

20 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क पूर्व विदर्भ का राईस उद्योग बंद

केंद्रीय मंत्री नितीन गड़करी, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस व सांसद पटेल नागपुर में करेंगे मंथन

बुलंद गोंदिया। पूर्व विदर्भ के गोंदिया, भंडारा, चंद्रपुर, गढचिरोली व नागपुर जिले के राईस मिलो से चावल विदेशो में निर्यात किया जाता है। लेकिन पिछले दो माह से राईस मिले बंद हो चुकी है। इसका मुख्य कारण यह बताया गया है कि राईस मिल संचालको को कोई सूचना व समय न देते हुए निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगा दी है। यही एक वजह है कि चावल का निर्यात राईस मिल संचालको को बंद करना पड़ा। राईस मिले बंद होने से हजारो मजदूर बेरोजगार हो चुके है। जिसे देखते हुए राईस मिलर्स असोसिएशन ने नागपुर में 18 नवंबर को महाअधिवेशन का आयोजन किया है। इस आयोजन में इस समस्या को लेकर मंथन किया जाएगा। जिसमें केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, सांसद प्रफुल पटेल, सुनील मेंढे, अशोक नेते व चंद्रशेखर बावनकुले आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित होने जा रहे है। राईस मिलर्स असोसिएशन का कहना है कि चावल निर्यात पर केंद्र शासन ने जो 20 प्रतिशत शुल्क लगाया है उस शुल्क को हटाया जाता है तो विदर्भ की 700 से अधिक बंद हुई राईस मिल फिर से शुरू हो सकती है और हजारो बेरोजगार हुए मजदूरो को फिर से निरंतर काम मिल सकेगा।

शरीर के अंदर की कला गुप्त न रखें : जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे

तिरोड़ा-जिला नगर पालिका प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय क्रीड़ा व सांस्कृतिक स्पर्धा का आयोजन तिरोड़ा के डा. बाबासाहब आंबेडकर नप शाला व सी.जे. पटेल महाविद्यालय के मैदान पर किया गया था. इस खेल में विजयी खिलाड़ियों को प्रशस्ती पत्र, स्मृति चिन्ह भेंट देकर पुरस्कृत किया गया. जिले में 3 नप व 5 नपं होने से कर्मचारियों की टीमों ने सभी 6 प्रकार के खेलो में भाग लिया. पुरस्कार वितरण समारोह की प्रस्तावना जिला सहआयुक्त करणकुमार चव्हाण ने रखी. उन्होंने बताया कि हमारे गोंदिया नप के साथ सालेकसा नपं का क्रिक्रेट खेल का मुकाबला हुआ. जिसमें हमारी टीम हारी व सालेकसा की टीम ने जीत हासिल की. कभी-कभी छोटों को उपर उठाने की भावना रखनी पड़ती है. विभागीय सहायक आयुक्त संघमित्रा ढोके ने बताया कि महाराष्ट्र में कुल 7 विभाग है, जिसमें इस प्रकार के खेलों की शुरुआत पिछले वर्षपहली बार हुई व यह दूसरा वर्ष तिरोड़ा जैसे छोटे से शहर में अतिसुंदरता से संपन्न हुई. गोंदिया के साथ सालेकसा जैसे छोटे से.. नगर पंचायत के कर्मचारियों की टीम का खेल का मुकाबला हुआ और उसमें यह टीम विजयी हुई. पुरस्कार से किया गया सम्मानित इस टीम का मनोबल बढ़ाने संघमित्रा संघ की ओर से 11 हजार रुपए का पुरस्कार. देकर सम्मानित किया गया. पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले ने कहा कि तिरोड़ा की माटी में ऐसा तेज है कि करण चव्हाणकी पहली नियुक्ति, प्रमोद मड़ामे यहां के थानेदार रहे. मेरी भी पहली नियुक्ति थानेदार के रूप में हुई व आज हम तिनों बड़े पदों पर कार्यरत है. जिलाधीश चिन्मय गोतमारे ने कहा कि नगर परिषद के कर्मचारी सचमुच तारीफ के काबिल है. जब दूसरे के एक दिन पूर्व गोंदिया शहर के मुख्य बाजार की दुकान में आग लगी. तब सभी कर्मचारियों ने रात के 2 बजे तक आग बुझाई. आजूबाजू की दूकानों को भी किसी प्रकार का नुकसान न होते हुए व कोई जनहानि न होते हुए कठिण कार्य को सुचारू रूप से निपटाया. इस अवसर पर जिलाधीश से उपस्थितों ने एक गीत गाने के लिए कहा तब इन्होंने गाया. इनके साथ 2 वर्ष पूर्व रहे इस नप में मुख्याधिकारी विजय देशमुख ने तो गीत की झड़ियां लगाकर खुब वाहवाही लूटी. इतना ही नहीं तो इनके गीत पर दर्शक भी नाचने लग जाते थे. विभागीय सहआयुक्त मनोजकुमार शहा सहपत्नीक सत्कार किया गया.

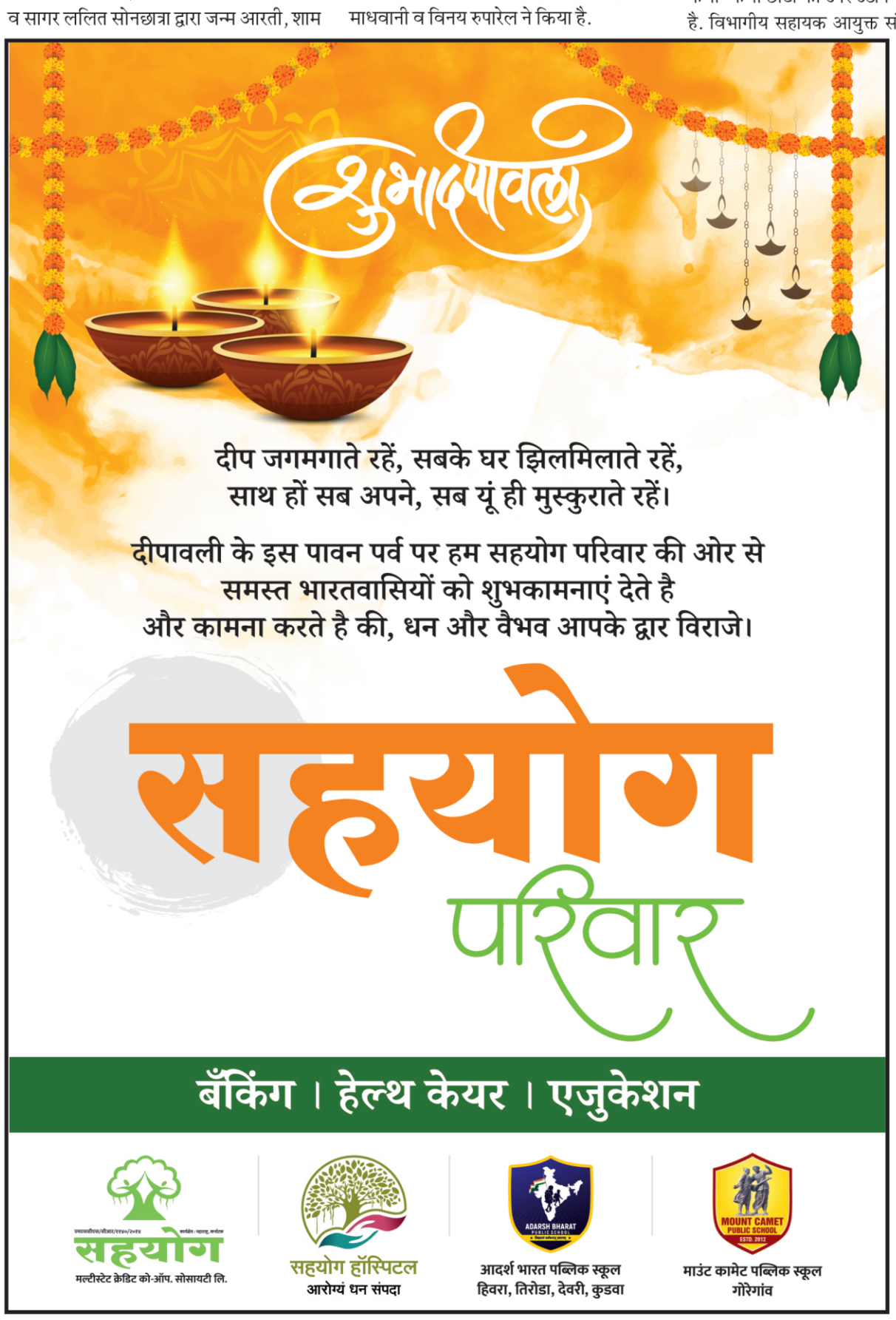

संपादकीय.....

महंगी है दाल-रोटी

हाल ही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, मूल मुद्रास्फीति, थोक मूल्य सूचकांक की दरें घोषित की गई हैं। औसतन मुद्रास्फीति की दर लक्षित दर से कम है, लिहाजा भारत सरकार गाल बजा सकती है कि उसने महंगाई को नियंत्रित रखा है, लेकिन यथार्थ कुछ और ही है। सामान्य और आसान शब्दों में कहें, तो आम आदमी के लिए 'दाल-रोटी की मुद्रास्फीति' अब भी ज्यादा है। महंगाई अब भी काफी ज्यादा है। बेशक अर्थशास्त्र की भाषा में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक स्पष्ट करता है कि अक्तूबर में सालाना खुदरा मुद्रास्फीति 4.87 फीसदी है। यह जुलाई में 7.44 फीसदी थी, जिससे लगातार कम होती गई है। मूल मुद्रास्फीति (कोर इंफ्लेशन) 4.28 फीसदी बताई गई है, लेकिन उसमें खाद्य और ईंधन की बढ़ती कीमतें शामिल नहीं हैं। बताया गया है कि यह दर 43 माह में सबसे कम रही है। थोक मूल्य सूचकांक शून्य से 0.52 फीसदी नीचे रहा है। दावा किया जा रहा है कि अक्तूबर में खाद्य पदार्थों की महंगाई घटकर 2.53 फीसदी पर आ गई। सितंबर माह में यह महंगाई 3.35 फीसदी थी। थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से लगातार शून्य से नीचे रही है, उस लिहाज से महंगाई के मोर्चे पर राहत की खबर लगातार मिल रही है, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास इसे 'अति संवेदनशील स्थिति' मानते हैं। दरअसल खाद्य वस्तुओं की कीमतें ही बुनियादी समस्या रही हैं और वे ही महंगाई को परिभाषित करती हैं। 2024 के आम चुनाव से पहले खाद्य मुद्रास्फीति से जुड़े कुछ कठिन और चिपचिपे अवयव मोदी सरकार और आरबीआई को चिंतित कर रहे हैं। दरअसल दाल-रोटी अर्थात अनाज और दालों की खुदरा मुद्रास्फीति करीब 10.65 फीसदी है। बीते 14 महीनों, सितंबर 2022, से ही यह दहाई में रही है। दालें भी बीते पांच महीनों से दहाई की दर में महंगी रही हैं। इनकी मौजूदा मुद्रास्फीति 18.79 फीसदी है, जो अगस्त, 2016 से उच्चतम रही है। इसका मानसून से प्रत्यक्ष संबंध हो सकता है। खाद्य मुद्रास्फीति का 6.61 फीसदी पर आकलन करें, तो सामान्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से अधिक है। खाद्य के साथ-साथ सब्जियां भी हैं, जिनकी मौसमी आपूर्ति की कमी बार-बार आम नागरिक को परेशान करती है। नतीजतन जुलाई-अगस्त में टमाटर 200 रुपए किलो तक बिका और आजकल प्याज 70-80 रुपए किलो बेचा जा रहा है। यदि हम रोजाना की अपनी थाली पर गौर करें, तो अनाज, दालें, सब्जियां आदि महंगी होती जा रही हैं। यह दीगर व्यवस्था है कि एक मौसम में टमाटर, प्याज, आलू आदि की फसलें किसान को सडक़ों पर फेंकनी पड़ती हैं अथवा उन्हें नष्ट करना पड़ता है, क्योंकि उनके अपेक्षित दाम नहीं मिलते। एक मौसम में टमाटर और प्याज महंगे बेचे जाते हैं। सवाल है कि ये कीमतें कौन तय करता है? इसका अर्थशास्त्र न तो आम उपभोक्ता जानता है और न ही सरकार खुलासा करती है, क्योंकि कोई निश्चित नियामक नहीं है। साफ है कि सब्जी मंडियां 'अनियंत्रित' निकाय हैं, जिनमें जमाखोरी और कालाबाजारी भी निहित हैं। अनाज के संदर्भ में कृषि मंत्रालय का अनुमान है कि खरीफ के दौरान अनाज का उत्पादन करीब 66 लाख टन होगा, जो बीते साल की तुलना में कम है। धान का उत्पादन करीब 11 करोड़ टन से घटकर 10 करोड़ टन से कुछ ज्यादा हो सकता है। खरीफ के मौसम की दालों का उत्पादन 2015 से सबसे कम रहा है। जाहिर है अनाज और दालों की मुद्रास्फीति ज्यादा ही होगी। बहरहाल मुफ्त राशन जारी रहेगा, अत: गेहूं-चावल भंडारण को दुरुस्त किया जा रहा है।

घर में लगी आग से जरूरी सामग्री खाक

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव तहसील के बाक्टी में एक घटना घटी जहां दीपक से आग लग गई और घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया. आग में सुरेश दिघोरे का घर जल गया और उन पर बड़ा संकट आ गया है. अर्जुनी मोरगांव तहसील के बाक्टी निवासी सुरेशउरकुडा दिघोरे अपनी पत्नी और 2 बच्चों के साथ एक झोपड़ी रहित घर में खुशी- खुशी रह रहे थे. बच्चे परिवार का भरण-पोषण करने के लिए शहर में काम करने जाते हैं. दिवाली के मौके पर बच्चों ने अपने पिता को 50 हजार रुपए दिए. परिवार दिवाली खुशी से मनानाचाहता था. परिवार ने घर में तेल का दीपक जलाया. दीपक की लौ से आग भड़क उठी. देखते ही देखते आग ने रौद्र रूप धारण कर लिया. जिसमें जरूरी सामान, सोने के आभूषण, नकद रुपए समेत अन्य सामग्री जलकर खाक हो गई. ग्रामीण मदद के लिए दौड़े. आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक देरी हो गई थी.

गोवर्धन पूजा शोभायात्रा निकाली

गोंदिया-यादव समाज द्वारा पारंपरिक रूप से दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जाता है. जिसमें हेल्या (पड़वा) को नहलाकर उसका श्रृंगार किया गया. पूजा-अर्चना के बाद नगर भ्रमण के लिए आतिशबाजी व बैंड बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई. यादव समाज के तत्वावधान में गोवर्धन पूजा पर हेमू कॉलोनी चौक स्थित मुन्ना यादव के घर से 6 पड़वा (हेल्या) के साथ शोभायात्रा निकाली. गई. शामिल युवकों ने प्रमुख चौक चौराहों पर बेहतरीन लाठी घुमाने, नारियल को पेट पर रखकर अनोखे अंदाज में फोड़ने, शरीर पर ट्यूबलाइट फोडने, पैरों के अंगूठे में चाकू दबाकर आंखों में काजल लगाने, रेजर ब्लेडचबाकर खाने लाठी में आग की मशाल जलाकर उसे घूमाने तथा तलवारबाजी जैसे अनेक करतब दिखाए. पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत सूर्यवंशी ने शोभायात्रा का स्वागत किया. शोभायात्रा गोरेलालचौक, दुर्गा चौक होते हुए रेलवे सरकारी तालाब (घाट वाले हनुमान मंदिर) के पास पहुंची. भैसासुर के मंदिर में पूजा अर्चना की गई व शोभायात्रा का समापन किया गया.

गोपाष्टमी की पुजा क्यों की जाती है? भगवान श्रीकृष्ण के समय से हो रहा पूजन

ऐसा भी माना जाता है कि गोपाष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के समय से ही मनाई जाती है। इंद्र के प्रकोप से गोप-गोपियों और गायों को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा से अष्टमी तक गोवर्धन पर्वत को धारण किये रहे।

गोपाष्टमी का महत्व

हमारे हिन्दू धर्म तथा शास्त्रों में गाय को सभी प्राणियों की माता कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि गाय की देह में समस्त देवी-देवता वास करते है। माना जाता है कि जो व्यक्ति सुबह स्नान कर गौ माता को स्पर्श करता है, वह सभी प्रकार के पापों से मुक्त हो जाता है। गायों का समूह जहां बैठकर आराम से सांस लेता है उस जगह से सभी पाप खत्म हो जाते हैं। गाय को चारा खिलाने पर बहुत पुण्य मिलता है। यह पुण्य हवन या यज्ञ करने के समान होता है। जिस घर में सभी सदस्यों के भोजन करने से पहले गाय के लिए खाना निकाला जाता है, उस परिवार में कभी भी अन्न-धन की कमी नहीं होती है।

गोपाष्टमी से जुड़ी कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने गो चारण लीला का आरम्भ किया था इसलिए इस तिथि को गोपाष्टमी कहा जाता है। गोवर्धन पूजा के दिन श्रीकृष्ण बृजवासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत अपनी उंगली पर उठा लिया था। गोपाष्टमी के दिन ही इंद्र श्रीकृष्ण के समक्ष अपनी हार स्वीकार की थी। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को नीचे उतार दिया था तभी से गोपाष्टमी पर्व मनाया जाता है। इस दिन गाय के साथ बछड़ों की भी पूजा होती है। इसलिए गोपाष्टमी पर्व को गोवर्धन पूजा के सात दिन बाद मनाया जाता है।

जब श्रीकृष्ण के आगे चूर हो गया था इंद्रदेव का अभिमान

गोवर्धन पूजा के दिन गिरिराज यानी गोवर्धन पर्वत और भगवान कृष्ण की पूजा की जाती है। इस दिन को अन्नकूट पूजा भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन अन्नकूट का भोग लगाने की परंपरा है।

हर साल कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर गोवर्धन पूजा मनाई जाती है। इस साल प्रतिपदा तिथि 13 नवंबर दिन सोमवार को दोपहर 02 बजकर 56 मिनट से शुरू होकर आज यानी 14 नवंबर, दिन मंगलवार को दोपहर 02 बजकर 36 मिनट तक है। उदया तिथि को देखते हुए गोवर्धन पूजा 14 नवंबर मंगलवार को मनाई जा रही है। गोवर्धन पूजा के दिन गिरिराज यानी गोवर्धन पर्वत और भगवान कृष्ण की पूजा की जाती है। इस दिन को अन्नकूट पूजा भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन अन्नकूट का भोग लगाने की परंपरा है। इस दिन घर के आंगन में गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत और पशुधन की आकृति बनाई जाती है और विधि-विधान से पूजा की जाती है। मान्यता के अनुसार गोवर्धन पूजा की कथा द्वापर युग से जुड़ी हुई है।

गोवर्धन पूजा की कथा

पौराणिक कथा के अनुसार एक दिन श्री कृष्ण ने देखा कि सभी ब्रजवासी तरह-तरह के पकवान बना रहे हैं, पूजा का मंडप सजाया जा रहा है और सभी लोग प्रात: काल से ही पूजन की सामाग्री एकत्रित करने में व्यस्त हैं। तब श्री कृष्ण ने योशदा जी से पूछा, मईया आज सभी लोग किसके पूजन की तैयारी कर रहे हैं। इस पर मईया यशोदा ने कहा कि पुत्र सभी ब्रजवासी इंद्र देव के पूजन की तैयारी कर रहे हैं।

तब कन्हा ने कहा कि सभी लोग इंद्रदेव की पूजा

क्यों कर रहे हैं। इस पर माता यशोदा उन्हें बताते हुए कहती हैं, इंद्रदेव वर्षा करते हैं, जिससे अन्न की पैदावार अच्छी होती है और हमारी गायों को चारा प्राप्त होता है। इसपर कान्हा ने कहा कि वर्षा करना तो इंद्रदेव का कर्तव्य है। यदि पूजा करनी है तो हमें गोवर्धन पर्वत की करनी चाहिए, क्योंकि हमारी गायें तो वहीं चरती हैं और हमें फल-फूल, सब्जियां आदि भी गोवर्धन पर्वत से प्राप्त होती हैं।

इसके बाद सभी ब्रजवासी इंद्रदेव की बजाए गोवर्धन पर्वत की पूजा करने लगे। इस बात को देवराज इंद्र ने अपना अपमान समझा और क्रोध में आकर प्रलयदायक मूसलाधार बारिश शुरू कर दी, जिससे चारों ओर त्राहि-त्राहि होने लगी। सभी अपने परिवार और पशुओं को बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। तब ब्रजवासी कहने लगे कि ये सब कृष्णा की बात मानने का कारण हुआ है, अब हमें इंद्रदेव का कोप सहना पड़ेगा। इसके बाद भगवान कृष्ण ने इंद्रदेव का अहंकार दूर करने और सभी ब्रजवासियों की रक्षा करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठा लिया। तब सभी ब्रजवासियों ने गोवर्धन पर्वत के नीचे शरण ली। इसके बाद इंद्रदेव को अपनी भूल का अहसास हुआ और उन्होंने श्री कृष्ण से क्षमा याचना की। इसी के बाद से गोवर्धन पर्वत के पूजन की परंपरा आरंभ हुई।

सुरक्षित चारदीवारी मानी जाने वाली जेलों की निगरानी तंत्र पर सवालिया निशान

आखिर जेल के भीतर किसी कैदी के पास अलग से निजी फोन या अन्य साधन पहुंचते कैसे हैं? जाहिर है, जेल की सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात तंत्र में किसी स्तर पर या तो चूक होती है या फिर किसी कर्मचारी की मिलीभगत, जिसकी वजह से कैदी के पास फोन पहुंचा दिया जाता है।

यह विडंबना ही रही है कि किसी अपराध के दोषी को जेल में सजा काटने के लिए भेजा जाता है, लेकिन वहां वह कई ऐसी सुविधाएं हासिल कर लेता है, जो गैरकानूनी होती हैं। यानी बाहर कानून को ताक पर रख कर वह किसी अपराध को अंजाम देता है और इसके बदले जब उसे सजा दी जाती है, तो वह जेल में भी वक्त काटने के लिए गैरकानूनी रास्ता ही अख्तियार करता है।

इसे लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं कि कानून को धता बता कर जेल में बंद किसी कैदी को नियमों के खिलाफ मोबाइल फोन या टीवी जैसी अन्य सुविधाएं कैसे मिल जाती हैं और उसके लिए कौन जिम्मेदार है। आखिर जेल के भीतर किसी कैदी के पास अलग से निजी फोन या अन्य साधन पहुंचते कैसे हैं? जाहिर है, जेल की सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात तंत्र में किसी स्तर पर या तो चूक होती है या फिर किसी कर्मचारी की मिलीभगत, जिसकी वजह से कैदी के पास फोन पहुंचा दिया जाता है। यह स्थिति एक तरह से सुरक्षित चारदिवारी मानी जाने वाली जेलों के निगरानी तंत्र पर सवालिया निशान है। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस मसले से निपटने के लिए जेल कानून का एक नया मसविदा तैयार किया है, जिसमें कैदियों पर निगरानी के लिए प्रमुख रूप से तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। इस क्रम में एक अहम सुझाव यह है कि अगर किसी कैदी के पास मोबाइल फोन पाया जाता है तो उसे तीन साल के कारावास की सजा दी जाएगी।

जेलों में अपराधियों के बीच हिंसक टकराव की अनेक घटनाओं को देखते हुए मसविदे में विभिन्न अपराध के कुछ दोषियों को उनकी प्रकृति और जोखिम के मुताबिक अलग-अलग रखने की बात भी कही गई है। प्रतिबंधित वस्तुओं की तलाश में कैदी की नियमित तलाशी ली जाएगी। एक प्रावधान यह है कि किसी सजायाफ्ता कैदी को 'इलेक्ट्रानिक ट्रैकिंग' उपकरण पहनने की शर्त पर छुट्टी पर बाहर भेजा जा सकता है, ताकि उसकी आवाजाही और अन्य गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। इसमें नियमों के उल्लंघन पर भविष्य में छुट्टी के अयोग्य घोषित किया जाना और छुट्टी रद्द किया जाना भी शामिल है। देश की जेलों में बंद कैदियों के मोबाइल फोन या अन्य उपकरणों का इस्तेमाल करने से लेकर अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के बारे में जैसी खबरें आती रही हैं, उसके मद्देनजर मंत्रालय के सुझाव महत्त्वपूर्ण हैं। कहने को जेल में प्रवेश से लेकर बाहर निकलने तक पर सख्त निगरानी होती है। मगर ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, जिसमें किसी कैदी के पास से फोन या अन्य सामान जब्त किए गए। फिर जेल में बंद होने के बावजूद किसी कैदी के बाहर गिरोह या आपराधिक गतिविधियों को संचालित करने या उसे अंजाम देने की घटनाएं भी अक्सर चिंता की वजह बनती रही हैं। आधुनिक तकनीकी तक सजायाफ्ता अपराधियों की पहुंच ने भी कानूनों को ताक पर रखने के मामलों में इजाफा किया है। जेलों के घोषित सुरक्षा तंत्र के बरक्स यह जेलकर्मियों की मिलीभगत के जरिए और अधिकारियों की अनदेखी की वजह से ही संभव हो पाता होगा कि किसी सजायाफ्ता कैदी के पास मोबाइल, अन्य उपकरण या सुविधा के साधन पहुंच जाते हैं।

इसमें अपराधियों के प्रभावशाली लोगों से जुड़े तार और उनके रसूख की भी भूमिका होती है। ऐसी स्थिति में जेलों के भीतर गैरकानूनी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए कानूनी स्तर पर सख्ती जरूर बरती जाए, लेकिन अगर उनके अमल को लेकर कोताही होगी, जेलों के अपने तंत्र को ईमानदार और दुरुस्त नहीं बनाया जाएगा तो नियम-कायदों की अहमियत सिर्फ कागजों में सिमटी रहेगी।

लोकलुभावन वादों के बीच स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराना हुआ दूभर

चुनाव में राजनीतिक दलों की ओर से मतदाताओं को अनैतिक रूप से लुभाने की कोशिशों पर रोक लगाने के मकसद से कुछ कड़े प्रावधान भी किए गए हैं पर व्यवहार में यह लागू नहीं हो पा रहा है।

चुनाव के समय राजनीतिक दल न केवल अपने घोषणा-पत्रों में बढ़-चढ़ कर लोकलुभावन वादे करते, बल्कि नकदी, आभूषण, महंगे उपहार और नशीले पदार्थ आदि बांट कर भी मतदाता को अपने पाले में खींचने का प्रयास करते देखे जाते हैं। यह अब एक तरह से परिपाटी बन गई है। हालांकि हर चुनाव में प्रत्याशियों के लिए खर्च की सीमा तय है और निर्वाचन आयोग दम भरता है कि वह स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराएगा।

इसके लिए जगह-जगह छापामार दल तैयार किए जाते हैं, जो चुनाव के समय अवैध रूप से मतदाताओं को लुभाने वाली गतिविधियों पर नजर रखते और नकदी आदि बांटने पर रोक लगाने का प्रयास करते हैं। मगर हकीकत यही है कि हर चुनाव में नकदी और महंगे उपहार, शराब वगैरह का चलन बढ़ता गया है।

अभी केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने बताया है कि पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों के दौरान जब्त की गई राशि पहले के चुनावों की तुलना में काफी बढ़ी हुई है। इस मामले में राजस्थान अव्वल है, जहां पहले की तुलना में करीब तीन गुना अधिक राशि जब्त की जा चुकी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन राज्यों में कितने बड़े पैमाने पर नकदी, शराब वगैरह बांटी गई।

चुनाव सुधार को लेकर लंबे समय से सुझाव दिए जाते रहे हैं। मतदाताओं को अनैतिक रूप से लुभाने की कोशिशों पर रोक लगाने के मकसद से कुछ कड़े प्रावधान भी किए गए। मगर उन कोशिशों का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा, तो जाहिर है इसमें राजनीतिक दलों की इच्छाशक्ति का अभाव है। शायद किसी भी पार्टी में ऐसा नैतिक साहस नहीं है, जो दावा कर सके कि वह तय नियमों से बाहर जाकर चुनाव खर्च नहीं करती।

यही वजह है कि स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी बेशक निर्वाचन आयोग पर है, मगर उसे एक प्रकार से नख-दंतविहीन बना कर रखा गया है। चुनाव में प्रत्याशी के लिए तो खर्च की सीमा तय है, मगर पार्टियों के लिए कोई सीमा नहीं है। इस तरह अक्सर प्रत्याशी अपने तय सीमा से अधिक खर्च को पार्टी खर्च के खाते में दिखा देते हैं।

इस तरह चुनावों में बेतहाशा खर्च किया जाने लगा है। निर्वाचन आयोग के लिए उस पर अंकुश लगाना कठिन बना हुआ है। पार्टियों को चुनावी चंदे के रूप में मिलने वाले गुप्त धन पर अंकुश लगाना तो चुनौती है ही। इस तरह चुनावों में काले धन को सफेद करने की कोशिशों पर रोक लगाना भी मुश्किल काम बना हुआ है।

सब जानते हैं कि चुनावों में खर्च होने वाला धन राजनीतिक पार्टियां और प्रत्याशी चंदे के रूप में जुटाते हैं। हालांकि इसके लिए भी नियम-कायदे हैं, मगर हर राजनीतिक दल के पास चोरी-छिपे गुप्त धन पहुंचता है, जो आमतौर पर कालाधन होता है। वही पैसा प्राय: नकदी, आभूषण, शराब और दूसरी वस्तुओं के रूप में बांटा जाता है।

आयकर और प्रवर्तन विभाग छापेमारी करके कुछ नकदी आदि पकड़ तो लेते हैं, मगर वह बांटी गई रकम का महज छोटा हिस्सा होती है। फिर, राजनीतिक दलों की इस प्रवृत्ति पर अंकुश इसलिए नहीं लग पाता कि जिस प्रत्याशी के पास से ऐसी अवैध चीजें पकड़ी जाती हैं, उसके खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हो पाती। आजतक ऐसे किसी व्यक्ति का नामांकन या उसका चुनाव रद्द करने का प्रमाण नहीं है। जब तक कोई सख्त कदम नहीं उठाया जाएगा, राजनीतिक दल मतदाता को इस तरह प्रलोभित करने से शायद ही बाज आएं।

पेविन ब्लॉक कार्य की जांच की मांग

» ट्रस्ट की शिकायतों पर जिप की ओर से की गई अनदेखी

गोरेगांव-तहसील के ग्राम गिधाड़ी में स्थित शिव मंदिर महादेव पहाड़ी पर पेविन ब्लॉक (गहू पोटिंग) निर्माण कार्य को लेकर शिव भक्तों में नाराजगी व्यक्त की जा रही है, तीर्थ क्षेत्र निधि जिप बांधकाम विभाग के तहत निर्माण कार्य अति घटिया दर्जे से किया गया है. जिसमें कुछ ही महीने में उखड़ गए हैं। मंदिर ट्रस्ट द्वारा शिकायत करने पर भी ट्रस्ट को शिकायतों को दरकिनार करने का काम किया गया है दोबारा जांच की मांग उठने लगी है.जिसमें मंदिर परिसर में पेविन ब्लॉक (गट्टू फिटिंग) कार्य मार्च 2023 में जिप बांधकाम विभाग की

देखरेख में किया गया था, किंतु कार्य में अनियमितता बरती गई. उल्लेखनीय यह है कि 10 लाख रुपए की निधि खर्च होने जैसा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है. इस बीच शक्ति धाम आश्रम महादेव पहाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष शेंडे ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा मंदिर परिसर में गट्टू फोटिंग कार्य को लेकर जिप से शिकायत की गई थी. जिसमें मंदिर ट्रस्ट मंजूरी पत्र के बिना ठेकेदार को बिल नहीं देने की मांग की गई थी. जिप बांधकाम विभाग ने ट्रस्ट की मांगों की ओर अनदेखी की है. शिव भक्तों ने नाराजगी जताई है. ट्रस्ट द्वारा पूर्णत: पेविन ब्लॉक निर्माण कार्य की जांच की मांग दोबारा उठाई जा रही है.

अब 5 वर्षों में करना होगा नवीनीकरण खाद्य पदार्थ विक्रेताओं को मिलेगी राहत

गोंदिया-अन्न सुरक्षा कानून के तहत किसी भी प्रकार के खाद्य पदार्थों का व्यवसाय करनेवाले दूकानदारों अथवा व्यापारियों को अब तक अन्न व औषधि प्रशासन विभाग की ओर से लिए गए अपने लाइसेंस का प्रतिवर्ष नवीनीकरण करवाना अनिवार्य था, लेकिन अब शासन के नए आदेश के तहत अब नवीनीकरण की अवधि 1 वर्ष से, बढ़ाकर 5 वर्ष कर दी गई हैं. शासन के इस निर्णय से लाखों व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी. उल्लेखनीय है कि अन्न सुरक्षा कानून के तहत खाद्य पदार्थों का व्यवसाय करने वाले व्यवसायियों को प्रतिवर्ष अपने लाइसेंस का नूतनीकरण करना पड़ता था, जिससे उनमें असंतोषनिर्माण होने लगा था. इसे लेकर महाराष्ट्र चेंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से केंद्र सरकार व विशेष रूप से अन्न सुरक्षा विभाग व स्वास्थ्य मंत्रालयसे लगातार मांग की जा रही थी कि लाइसेंस का नवीनीकरण प्रतिवर्ष करवाने की बजाय कम से कम 5 वर्षों के अंतराल में किया जाना चाहिए.

वायु प्रदूषण और खराब वायु गुणवत्ता मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक - डॉ. नितिन वानखेड़े

बुलंद गोंदिया। आमतौर पर नवंबर से फरवरी के बीच सर्दियों के कारण प्रदूषित हवा और धूल हवा में रहती है और हवा की गुणवत्ता खराब हो जाती है और यह प्रदूषण मानव स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। डॉ. नितिन वानखेड़े जिला स्वास्थ्य अधिकारी। वायु प्रदूषण–

वायु प्रदूषण गैसों और ठोस कणों द्वारा घर के अंदर या बाहर की हवा का संदूषण है जो हमारे द्वारा सांस लेने वाली हवा की प्राकृतिक विशेषताओं को बदल देता है। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मुख्य प्रदूषकों में पार्टिकुलेट मैटर (क्क2.5 और क्क10), कार्बन मोनोऑक्साइड (ष्टह्र), ओजोन (03), ब्लैक कार्बन , सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड शामिल हैं। जिला महामारी विज्ञान अधिकारी डॉ. ने कहा, वायु प्रदूषण अक्सर नग्न आंखों से अदृश्य होता है क्योंकि प्रदूषकों का आकार मानव आंखों से छोटा होता है। डॉ। निरंजन अग्रवाल प्रदूषण के प्रमुख स्रोत क्या हैं–

1) परिवेशी (बाहरी) वायु प्रदूषण– वाहन निकास, सड़क की धूल, निर्माण धूल, कचरा जलाना, कृषि फसल अवशेष जलाना, औद्योगिक उत्सर्जन, जीवाश्म ईंधन से चलने वाले थर्मल पावर प्लांट और ईंट भट्टे, घरेलू बायोमास जलाना, पटाखे आदि। कारणों से.

घरेलू वायु प्रदूषण लकड़ी, कोयला, गोबर, जैव ईंधन को स्टोव में जलाने या खाना पकाने और पानी गर्म करने के लिए जलाने से होता है। जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ.सुशांकी कापसे ने बताया कि घर के अंदर वायु प्रदूषण मच्छर भगाने वाली कॉइल, अगरबत्ती, सिगरेट, बीड़ी, स्प्रे, सॉल्वैंट्स और इमारतों के अंदर इस्तेमाल होने वाले रसायनों के धुएं के कारण होता है।

हवा की गुणवत्ता

वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) वायु प्रदूषकों के परिवेशीय सांद्रता मूल्यों पर आधारित एक उपकरण है और इसे अच्छे, संतोषजनक, मध्यम प्रदूषित खराब, बहुत खराब और गंभीर के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ने कहा कि क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक की गिरावट, खासकर जब यह खराब से गंभीर श्रेणी में हो, संक्रमित लोगों में रुग्णता और मृत्यु दर को बढ़ा सकती है। दिनेश सुतार द्वारा दिया गया।

वायु गुणवत्ता सूचकांक (प्रदूषण स्तर) को इस प्रकार विभाजित किया गया है।

1) अच्छा (0 से 50)
2) संतोषजनक (51 से 100)
3) मध्यम (101 से 200)
4) ख़राब (201 से 300)
5) बहुत खराब (301 से 400)
6) गंभीर (401 से 500)

निम्नलिखित लोगों को वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों के प्रति संवेदनशील माना जा सकता है
–

1. आयु समूह– पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे और वृद्ध व्यक्ति।
2. गर्भवती महिलाएं– गर्भावस्था के दौरान प्रदूषित हवा के संपर्क में आने से अजन्मे बच्चे पर असर पड़ सकता है।
3. पुरानी बीमारियों वाले व्यक्ति– जिन्हें श्वसन और हृदय प्रणाली की पहले से मौजूद बीमारियाँ हैं उन्हें अधिक खतरा है.
4. सामाजिक–आर्थिक स्थितियाँ – जो लोग खाना पकाने, हीटिंग और प्रकाश व्यवस्था के लिए जीवाश्म ईंधन का उपयोग करते हैं, वे अधिक जोखिम में हैं, जिनकी पोषण स्थिति खराब है और जो गरीबी के कारण खराब आवास स्थितियों में रहने के लिए मजबूर हैं।
5. व्यावसायिक समूह – यातायात पुलिस, यातायात स्वयंसेवक, निर्माण श्रमिक, सड़क सफाई कर्मचारी, रिक्शा चालक, सड़क किनारे विक्रेता और प्रदूषित वातावरण में बाहर काम करने वाले अन्य लोग उच्च जोखिम में हैं। जो महिलाएं खाना पकाने के लिए बायोमास (गोबर/लकड़ी) जलाती हैं, वे घरेलू काम के प्रति असुरक्षित होती हैं।

वायु गुणवत्ता सूचकांक से गड़बड़ी–

उच्च स्तर के वायु प्रदूषण के अल्पकालिक संपर्क से खांसी, घरघराहट, आंखों, नाक और गले में जलन हो सकती है।

बेचैनी और पुरानी श्वसन–पथ की बीमारियाँ जैसी पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। कमजोर समूहों को अधिक गंभीर परिणामों का अनुभव हो सकता है, जैसे श्वसन पथ की सूजन और संक्रमण, अस्थमा का बढ़ना, ब्रोंकाइटिस, हृदय रोग और सेरेब्रोवास्कुलर स्ट्रोक। जिला सर्जन डॉ. ने बताया कि प्रदूषण के निम्न स्तर के लंबे समय तक संपर्क में रहने से पुरानी श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियां, फेफड़ों का कैंसर और समय से पहले मौत हो सकती है। अमरीश मोहबे ने दी।

वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों को रोकने के लिए आम नागरिकों द्वारा किये गये उपाय

वायु प्रदूषण के जोखिम को निम्न द्वारा कम किया जा सकता है

धीमी और व्यस्त सड़कें, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के पास के क्षेत्र, विध्वंस स्थल, कोयला खदानें

जैसे अधिक प्रदूषण वाली जगहों पर जाने से बचें बिजली संयंत्रों और ईंट भट्टों आदि पर जा रहे हैं

टालना

बाहरी कार्यों को त्तद्ब स्तर और खराब से गंभीर त्तद्ब वाले कार्यों के अनुसार शेड्यूल करें

दिन के दौरान घर के अंदर ही रहें।

हल्के से गंभीर एकेआई वाले दिनों में सुबह और देर शाम को पैदल चलना, दौड़ना, जॉगिंग करना

और शारीरिक व्यायाम से बचें।

यदि आवश्यक हो तो सुबह और शाम के समय, दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक खिड़कियां और दरवाजे न खोलें

इस दौरान आप बाहर निकल सकते हैं.

लकड़ी, कोयला, जानवरों का गोबर, मिट्टी का तेल जैसे बायोमास जलाने से बचें। खाना पकाने और गर्म करने के प्रयोजनों के लिए

स्वच्छ धुआं रहित ईंधन (गैस या बिजली) का प्रयोग करें। यदि बायोमास का उपयोग कर रहे हैं, तो साफ कुक स्टोव का उपयोग करें।

पटाखे जलाने से बचें.

किसी भी प्रकार की लकड़ी, पत्तियां, फसल अवशेष और कूड़ा–कचरा खुले में जलाने से बचें।

सिगरेट, बीडी और संबंधित तंबाकू उत्पादों के सेवन से बचें।

बंद परिसर में मच्छर मारने वाली क्वाइल और अगरबत्ती जलाने से बचें।

घर में झाड़ू लगाने या वैक्यूम करने की बजाय गीले कपड़े का इस्तेमाल करें। आप वैक्यूम करें

यदि आप किसी क्लीनर का उपयोग करना चुनते हैं, तो ऐसे क्लीनर का उपयोग करें जिसमें उच्च दक्षता वाला पार्टिकुलेट एयर फ़िल्टर हो।

आंखों को नियमित रूप से बहते पानी से धोएं और नियमित रूप से गर्म पानी से गरारे करें।

यदि आपको सांस लेने में परेशानी, चक्कर आना, खांसी, सीने में तकलीफ या दर्द, आंखों में जलन (लालिमा या पानी आना) हो तो अपने नजदीकी डॉक्टर से परामर्श लें।

ज़्स्वस्थ आहार, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फल और सब्जियां खूब खाएं और खूब पानी पीकर अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखें।

वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों से बचने के लिए कमजोर आबादी वाले नागरिकों द्वारा किए जाने वाले उपा

पुरानी बीमारियों जैसे तीव्र फुफ्फुसीय या हृदय संबंधी समस्याओं वाले रोगियों को निम्नलिखित कार्य करना चाहिए।

वायु प्रदूषण से बचने के लिए अधिक सावधानी।

ज़ यदि त्तद्ब स्तर खराब है तो कोई भी ज़ोरदार गतिविधि करने से बचें।

खराब त्तद्ब स्तरों के दौरान लक्षण की गंभीरता को नियंत्रित करें।

डॉक्टर के निर्देशों का ठीक से पालन करें।

डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाएं हर समय अपने पास रखें।

यदि आवश्यक हो तो तत्काल चिकित्सा सलाह लें।

शिविर का 300 से ज्यादा लोगों ने लिया लाभ

मुंडीकोटा/तिरोड़ा–अदानी फाउंडेशन तिरोड़ा व समूह ग्राम पंचायत धादरी / ऊमरी द्वारा समूह ग्राम पंचायत धादरी में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच व उपचार शिविर आयोजित हुआ, उद्घाटन सरपंच अजीत कुमार ठवरे के हस्ते, अदानी फाउंडेशन प्रमुख बिनुल पटेल, ग्राम सेवक रेखा ढोके, मंगला उके, ग्राम पंचायत सदस्य अमिताभ चौरे, ममता अंबुले, सामाजिक कार्यकर्ता पवन पटले, सुखदास अनकर, धनलाल ठाकरे, माणिक मेश्राम, रामकृष्ण कापसे को उपस्थिति में हुआ. शिवेर में घाटगे / उमरी व आसपास के गांवों के 300 से अधिक मरीजों की जनरलपैथोलॉजिस्ट, शिशु रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा नि:शुल्क जांच की गई व औषधियां दी गई. सफलतार्थ कार्यक्रम अधिकारी स्वप्निल वाहने, ग्राम पंचायत परिचारक कविदास तुमसरे, अदानी फाउंडेशन के कर्मचारियों ने प्रयास किया.

11 स्टेशनों पर लगेंगे 13 स्टॉल्स

वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना, स्थानीय उत्पाद की होगी बिक्री

गोंदिया–स्थानीय उत्पादों को देशभर में लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर स्थानीय कपड़ों, हस्तशिल्प, मिटटी से निर्मित वस्तुएं, हथकरघा, बांस के उत्पाद, वनोपज आदि को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई है. नाममात्र शुल्क के साथ स्थानीय उत्पादों को 15–15 दिनों के लिए व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है. इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल में वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना के 11 स्टेशनों में 13 स्टाल लगाए गए है. जिसमें स्थानीय स्तर पर निर्मित व प्रसिद्ध वस्तुओं की बिक्री प्रारंभ की गई है.

इन स्टेशनों का है समावेश – इन स्टेशनों में नागपुर रेल मंडल के अंतर्गत 11 स्टेशन इनमें इतवारी, गोंदिया, नैनपुर, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, तुमसर रोड, भंडारा रोड, बालाघाट, कामठी, घंसौर व छिंदवाड़ा स्टेशन शामिल है. इसके अलावा अब चांदाफोर्ट, नागभीड़, ब्रम्हपुरी, वडसा, आमगांव, वारासिवनी, तिरोड़ा, ग्वारीघाट व सौंसर इन 9 रेलवे स्टेशनों पर भी उत्पाद बिक्री के लिए स्टॉल आवंटन किया जाना है. स्टालों में उपलब्ध कलाकृतियों व सामानों के माध्यम से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए इन विलक्षण कलाकारी से यात्री परिचित हो रहे हैं. आवश्यकतानुसार इसकी खरीददारी भी कर रहे हैं. इनकी कारीगरी की तारीफ भी कर रहे हैं. योजना के तहत रेलवे छोटे किसानों और उद्यमों के लिए कुशल लॉजिस्टिक्स विकसित करेगा.इन स्टेशनों का है समावेश – इन स्टेशनों में नागपुर रेल मंडल के अंतर्गत 11 स्टेशन इनमें इतवारी, गोंदिया, नैनपुर, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, तुमसर रोड, भंडारा रोड, बालाघाट, कामठी, घंसौर व छिंदवाड़ा स्टेशन शामिल है. इसके अलावा अब चांदाफोर्ट, नागभीड़, ब्रम्हपुरी, वडसा, आमगांव, वारासिवनी, तिरोड़ा, ग्वारीघाट व सौंसर इन 9 रेलवे स्टेशनों पर भी उत्पाद बिक्री के लिए स्टॉल आवंटन किया जाना है. स्टालों में उपलब्ध कलाकृतियों व सामानों के माध्यम से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए इन विलक्षण कलाकारी से यात्री परिचित हो रहे हैं. आवश्यकतानुसार इसकी खरीददारी भी कर रहे हैं. इनकी कारीगरी की तारीफ भी कर रहे हैं. योजना के तहत रेलवे छोटे किसानों और उद्यमों के लिए कुशल लॉजिस्टिक्स विकसित करेगा.

श्री मारवाडी युवक मंडल गोंदिया व्दारा दीपावली स्नेह मिलन व मेधावी छात्रो का सत्कार संपन्न

बुलंद गोंदिया। श्री मारवाडी युवक मंडल, गोंदिया व्दारा दीपावली स्नेह मिलन, मेधावी छात्रो का सत्कार व अन्नकुट प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन के हस्ते संपन्न हुआ। इस समारोह मे मेधावी छात्रो का स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सत्कार किया गया । इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन ने सभी को दीपावली एवं नव वर्ष की शुभकामनाएं दी व आगे कहा की दीपावली का त्यौहार हमारे जीवन को प्रकाशमय कर सुख एवं समृद्धि को बढ़ावा देता है। इस कार्यक्रम मे प्रमुखता से पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन, ट्रस्ट बोर्ड अध्यक्ष वेदप्रकाश गोयल,मारवाड़ी युवक मंडल अध्यक्ष महेश गोयल,श्री राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष सौ.रश्मि खंडेलवाल, श्री अग्रसेन स्मारक समिति अध्यक्ष हेमेंद्र पोद्दार, राजस्थानी ब्राह्मण सभा अध्यक्ष आनंद पुरोहित,श्री खंडेलवाल युवक मंडल अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल,श्री दिगम्बर खंडेलवाल जैन समाज अध्यक्ष देवेंद्र अजमेरा,श्री राजस्थानी सेन समाज अध्यक्ष गोविंद सुलोधिया, श्री मैढ़ क्षत्रीय स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष महेश जालु,मंडल सचिव रितेश अग्रवाल,कार्यक्रम का मंच संचालन एवँ आभार प्रदर्शन श्री मारवाड़ी युवक मंडल,ट्रस्ट बोर्ड सदस्य अपूर्व अग्रवाल, सहीत बहुसंख्या मे समाज बांधव उपस्थित थे ।

साप्ताहिक बाजारों में मोबाइल चोर सक्रिय

» भीड़ का उठा रहे फायदा, आयेदिन हो रही घटनाएं

गोंदिया–जिले के साप्ताहिक बाजार में इन दिनों मोबाइल चोरी की घटनाएं सामने आ रही है. बताया जा रहा है कि साप्ताहिक बाजार में चोरों का गिरोह सक्रिय होकर नजर चुराकर जेब से मोबाइल चोरी कर रहे हैं. जहां अनेक ग्राहकों के मोबाइल चोरी होने की जानकारी मिल रही है, लेकिन मोबाइल चोरी होने की शिकायतें थाने को प्राप्त नहीं होने से चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं. विशेष बात% यह है कि जिले के ग्रामों में सप्ताह में एक बार साप्ताहिक बाजार लगता है. जहां पर हजारों की संख्या में ग्राहक बाजार में खरीदारी करने हैं. शाम 5 बजे से लेकर रात 7.30 बजे तक बाजार में भारी भीड़ हो जाती है. इस भीड़ का फायदा लेते हुए मोबाइल चोरों का गिरोह सक्रिय हो जाता है. नजर चुराकर जेब से मोबाइल चुरा लेते हैं.बताया जा रहा है कि साप्ताहिक बाजार में 4 से 5 मोबाइल चोरी होने की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा हैं. चोरी की शिकायतें थाने में नहीं होने से पुलिस को इन घटनाओं की जानकारी नहीं रहती. जिससे चोरों के गिरोह पर नियंत्रण पाना है तो मोबाइल चोरी की शिकायत करना जरूरी हैं.

बदहाल मार्ग दे रहे हैं दुर्घटना को निमंत्रण

ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की दुरावस्था

देवरी–तहसील में मार्गों को जर्जर हालत के कारण नागरिकों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. वर्तमान स्थिति में इस तहसील के दूर दराज के प्रामों के सड़कों की हालत पूरी तरह खरताहाल हो गई है. जिससे वाहन धारकों को सफर करते समय अपनी जान हथेली में लेकर सफर करना पड़ रहा है. वहीं सड़कें वर्षों से दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रही हैं. वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को धूल का सामना करना पड़ता है. इस और जनप्रतिनिधि व निर्माण विभाग की अनदेखी हो रही है. जागरुक नागरिकों ने अनेक बार जर्जर सड़कों की मरम्मत कर वाहन चालकों को होने वाली परेशानी से निजात दिलाने की मांग की थी.

परेशानियों का करना पड़ रहा सामना

मुख्यालय सहित कुछ गांवों तक सड़कें जोड़ी गई है, किंतु अब तक ऐसे कई गंव है, जहां सड़क नहीं पहुंच पाई है. जो सड़क तैयार हैं, उनकी हालत वर्तमान स्थिति में खस्ताहाल हो गई है. सड़क की हालत खरता होने के कारण इस मार्ग पर आवागमन करने वाले वाहन धारकों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. मार्ग पर की जगहों का डामर रबड़ गया है व गिट्टी भो. फैल गई है. जिससे कारण आवागमन करनेवाले वाहन कभी भी दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना व्यक्त की जा रही हैं, किंतु इसओर जनप्रतिनिधियों द्वारा अनदेखी करने से सड़कों की हालत जैसे थे बनी हुई हैं.

दोपहर में लोकल ट्रेन शुरू करने की मांग

अब तक कोई पहल नहीं, मिल रहा सिर्फ आश्वासन

सालेकसा–सालेकसा व आमगांव तहसील के नागरिकों ने कई बार सांसद व विधायक से इन तहसीलों के रेलवे मार्ग से दोपहर में लोकल ट्रेन शुरू करने की मांग को लेकर कई बार ज्ञापन सौंपा है. इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है. वहीं ट्रेन शुरू करने केवल आश्वासन दिया जा रहा हैं. सालेकसा व आमगांव रेलवे स्टेशन से नागपुर, रायपुर, डोंगरगढ़ जाने वाले यात्रियों व विद्यार्थियों की काफी भीड़ रहती है. सालेकसा तहसील का 90 प्रश क्षेत्र वनों से आच्छादित है. पढ़ाई की भी कोई सुविधा नहीं है. इसलिए विद्यार्थी आमगांव व गोंदिया जाते हैं, किंतु स्कूल और कॉलेज के समय में ट्रेन नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को आने जाने में काफीपरेशानियों का सामना करना पड़ता है. इससे उन पर आर्थिक दबाव पड़ता है. तहसील में प्राकृतिक सौंदर्य के साथ बड़े पैमाने पर जंगल है, जिसमें तालाब व झरने के साथ ही विश्व प्रसिद्ध गुफाएं हैं. मुंबई से हावड़ारेलवे लाइन सालेकसा तहसील मुख्यालय से होकर गुजरती है. यहां की अर्थव्यवस्था तहसील प्रभावित, आदिवासी बहुल और पिछड़ी है. किसान केवल कृषि पर निर्भर हैं. संचार के साधन ठीक से उपलब्ध नहीं हैं. चूंकि गांव रेलवे लाइन पर है, इसलिए नागरिकों के लिए रेलवे परिवहन का मुख्य साधन है. गांव हावड़ा–मुंबई रेलवे लाइन पर होने के बावजूद पर्याप्त ट्रेनें उपलब्ध नहीं हैं. हर 3 घंटे में केवल एक ट्रेन रुकती है.. ऐसे में नागरिकों को आने–जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है. पिछले 12 साल से यह मांग की जा रही है कि लोकल ट्रेन दोपहर के समय शुरू की जाए, किंतु इस समस्या की ओर कोई भी जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं दे रहा है, रेलवे लाइन सालेकसा तहसील मुख्यालय से होकर गुजरती है. यहां की अर्थव्यवस्था तहसील प्रभावित, आदिवासी बहुल और पिछड़ी है. किसान केवल कृषि पर निर्भर हैं. संचार के साधन ठीक से उपलब्ध नहीं हैं. चूंकि गांव रेलवे लाइन पर है, इसलिए नागरिकों के लिए रेलवे परिवहन का मुख्य साधन है. गांव हावड़ा–मुंबई रेलवे लाइन पर होने के बावजूद पर्याप्त ट्रेनें उपलब्ध नहीं हैं. हर 3 घंटे में केवल एक ट्रेन रुकती है.. ऐसे में नागरिकों को आने–जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है. पिछले 12 साल से यह मांग की जा रही है कि लोकल ट्रेन दोपहर के समय शुरू की जाए, किंतु इस समस्या की ओर कोई भी जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं दे रहा है,

गोंडीटोला मे धूम धाम से मनाई गई क्रांतीसूर्य बिरसा मुंडा जयंती

बुलंद गोंदिया। गोंडीटोला (गोंदिया) मे कुडवा, कटंगीकला, वीर बिरसा मुंडा उत्सव आयोजन समिती व्दारा महामानव, क्रांतीसुर्य बिरसा मुंडा की 148 वी जयंती धूम धाम से मनाई गई द्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथी के रुप मे पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन उपस्थित थे द्य राजेन्द्र जैन ने जननायक, भगवान बिरसा मुंडा की प्रतीमा को मार्ल्यापण कर अभिवादन किया व उनका संघर्षमय जिवन हम सभी को हमेशा प्रेरित करता रहेगा ऐसा संबोधन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन के साथ बालकृष्ण पटले, सौ पुजा अखिलेश सेठ, केतन तुरकर, मोहीनीताई वराडे, विनोद बिसेन, राहुल मेश्राम, रोहीत अग्रवाल, पवन पटले, अनील जगनीत, नुतन वाडेगावकर, विमलाबाई उइके, कमलाताई श्रीभाद्रे, अभीषेक मडामी, नीलेश उइके, विमलाबाई उईके, सूकून बाई कुडमेती, फुलन परतेती, संगीता धुर्वे, सुनीता डोलारे, संभाबाई कोरचाम, राजकुमार उईके, रुपराजसिंग कोडापे, अभिषेक मडावी, प्रकाश उईके, विलास टेकाम, स्वप्निल कडनायके, निलेश उईके, रवी टेकाम, पवन मडावी, रवी इवनाते, निखिल इवनाते, आकाश परतेती सहीत समाज बांधव बहुसंख्या मे उपस्थित थे ।

ग्राम छिपीया में पटवारी भवन एवंम सिमेंट रस्ता निर्माण का भुमिपुजन संपन्न

किसानों को दिन के समय 12 घंटे बिजली दिलाने हेतु होंगे गंभीर प्रयत्न - पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

बुलंद गोंदिया। पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के प्रयत्नों से ग्राम छिपीया में नए पटवारी भवन एवंम मनोहर ताडेकर से रमेश सावनकर के मकान तक सिमेंट रस्ता बांधकाम हेतु 20 लाख रुपये की निधी प्राप्त हुई। निर्माणकार्यो का भुमिपुजन पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते, जि.प. सदस्य रितेश मलघाम, सरपंच अनामिकाताई बहेकार, पं.स. पुरुषोत्तम उईके, उपसरंपच अनमोल उके, पूर्व पं.स. सदस्य सत्यम बहेकार एवंम दादीया महाजन की प्रमुख उपस्थिती में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रस्तावना रखते हुए ग्राम के रितेश मलघाम ने कहा कि, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने विधायक रहते छिपीया ग्राम को विकास की अनेकों सौगात दी, लेकिन हर्ष की बात है कि, आज भी ग्राम के लिये उनके सकारात्मक प्रयत्न निरंतर जारी है। विधायक न रहते हुए भी उन्होंने अपने संबंधों के आधार पर न सिर्फ छिपीया के लिये बल्कि संपुर्ण तहसील में 29 ग्रामों में पटवारी भवनों का निर्माण मंजुर कराया है। गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विकास को निरंतर आगे बढ़ाने का काम हमेशा उनके माध्यम से हुआ है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिप सदस्य मलघाम ने बताया कि, गोपालदासअग्रवाल के नेतृत्व में कामठा पांजरा सहित संपुर्ण गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में आवश्यक विकास कार्यों को निरंतर गती मिल रही है। उनके प्रयत्नों से जहां कामठा जिप क्षेत्र में तहसील क्रिडा संकुल, आरोग्य केन्द्र, कामठा नवरगांवकला, कामठा - बटाना, कामठा-मुंडीपार जैसे रस्तों का निर्माण हुआ। वहीं पांजरा जिप क्षेत्र में रजेगांव ग्रामीण रुग्णालय, लंबाटोला- पांजरा के बीच बंधारे का निर्माण पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की देन है। उनके प्रयत्नों से गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में निरंतर विकास को गती मिल रही है।

पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि, आज यहां पर हमारे अब तक किये गये विकास कार्यों की बात हुई। लेकिन नयी व्यवस्था, नये प्रशासन में रावणवाडी-कामठा रास्ते की 4 वर्षो तक रही जिर्ण परिस्थिती, बिरसी (का.) में एयरपोर्ट अधिकारियों द्वारा तोड़े गये रहवासी मकान, शासकीय धान खरेदी केन्द्रों पर प्रति क्विंटल की दर से किसानों से होती वसुली के साथ-साथ बिजली विभाग द्वारा रात के समय-बेसमय उपलब्ध करायी जाती 6-8 घंटा बिजली जैसी अनेकों अव्यवस्था व्याप्त है। जब चाबी आमदार 200-400- 500 करोड़ रुपये के रस्ते के कार्य सरकार से ला सकता है, तो किसानों को 8 के बजाए 12 घंटे दिन के समय बिजली क्यों नहीं दिलाता। क्योंकी रस्ते की ठेकेदारी आमदार के लिये व्यक्तीगत लाभाकारी योजना है, वहीं किसानों को 12 घंटे बिजली दिये जाने से चाबी आमदार का व्यक्तीगत लाभ नहीं है, लेकिन किसानों को दिन के समय 12 घंटे बिजली दिलाने के लिये जल्द ही तहसील वार आंदोलन के माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर खिंचा जायेंगा और निश्चित रूप से 12 घंटे बिजली दिलाई जायेंगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कृउबास संचालक चेतनबहेकार, हुकुमचंद नागपुरे, सावलराम महारवाडे, सरपंच हनसलाल उईके, शाहीन जमीलभाई वेग मिझां, जमीलभाई बेग मिर्झा, सुरेश माहूरकर, भुपेन्द्र भलावी, ममीताताई खोब्रागडे, दुर्गाताई खोटेले, लक्ष्मीताई कठाणे, सरिताताई टेकाम, पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम बोहरे, श्रीकिसन दोनोडे, रामलाल खोटेले, गुणीराम खोटेले, भागचंद ठाकरे, भुपेन्द्र बोहरे, शुभम रामटेके, किरण गेडाम, रंजित उके, मंगेश मेंढे, पुनाराम पंधरवार, सावकर उके, दयालदास निकुशे, ग्यानीराम खोब्रागडे, सदाराम सावणकर, राधेश्याम तावाडे, नारायण तांडेकर, पांडुरंग निखाडे, सुकाजी दोनोडे, ओंकार निखारे, श्रीकिसन मटाले, कुलदीप सावनकर, रमेश सावनकर, यशवंत खोब्रागडे, मदन निकुशे, हंसुजी तांडेकर, भोजराज बहेकार, गोपीजी मेश्राम, अशोक टेकाम, राजेन्द्र शहारे, सुनिताताई दोनोडे व ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मंडई मेले का आयोजन यह हमारी पारंपरिक संस्कृती ग्रामीण अंचल में आज भी कायम -अशोक (गप्पू)गुप्ता

बुलंद गोंदिया। नवरात्री के पर्व के समाप्ती के कुछ ही दिन बाद दिपावली का पर्व आता है यह पर्व संपूर्ण भारतवर्ष का मुख्य त्यौहार है यह खुशियों का त्यौहार है इस त्यौहार के निमित्त ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के संगीतमय, भक्तीमय, ओर्केस्ट्रा, जागरण, लावनी, नाटक, ड्रामा जैसे ऐसे कई प्रकार के कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र में किए जाते है और इस बात की खुशी है की मंडई मेले का आयोजन यह हमारी पारंपरिक संस्कृती, ग्रामीण अंचल में आज भी कायम है. ऐसा अशोक गप्पू गुप्ता जिला उपाध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी, गोंदिया ने ग्राम काटी और तेढवा में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित किया और कार्य्रकम में प्रमुखता से आमंत्रित किया गया उसके लिए समिती का आभार व्यक्त किया साथ ही दीपावली की सभी को शुभकामनाएं भी दी। साथ ही राज्य सरकार के अनेक प्रणालियो पर नाराजगी जताते हुए कहा की मुझे बहुत खेद है की गोंदिया जिला यह किसानो से व्यापत जिला है और यहाँ का मुख्य व्यवसाय खेती है अनेक लोगो की उपजीविका खेती के ऊपर निर्भर है बड़े ही उत्साह से वह धान की खेती करता है उउसका पालन पोषण करता है ताकि धान को अच्छा रेट मिले, धान खरेदी केंद्र सुरु हो और वहा जाकर वह धान बेचकर दिवाली का त्यौहार अच्छे से मना सके परंतु सरकार के द्वारा धान खरेदी केंद्र काफी देरी से शुरू किए जिससे किसान भाइयो को तकलीफ हुई ऐसा भी ग्राम काटी और तेढवा में आयोजित कार्यक्रम में अशोक गप्पू गुप्ता जिला उपाध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी, गोंदिया ने कहा.इस अवसर पर अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्य्रकम का आनंद लेने आए नागरिक उपस्थित थे।

गौवंश तस्करी का ट्रक पकड़ाया

16.30 लाख रु. का माल ज़ब्त, पुलिस की कार्रवाई

गोंदिया-13 मवेशियों को बूचड़खाने ले जी रहे ट्रक को सालेकसा पुलिस ने हरदोली जंगल परिसर में पकड़ा. इस कार्रवाई में कुल 16 लाख 30 हजार रु. का माल जब्त किया गया. पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में गोंदिया जिले के थाना सीमा क्षेत्र में सभी अवैध धंधों पर कार्रवाई करने तथा सभी अवैध धंधों को खत्म कर अंकुश लगाने के निर्देश दिए हैं. वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश व मार्गदर्शन के अनुसार पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है व कार्रवाई की जा रही है. 11 नवंबर कोसालेकसा पुलिस ने गुप्त जानकारी के आधार पर गश्त के दौरान हरदोली जंगल परिसर में ट्रक क्र. सीजी 08 एयु 0956 को पकड़ा. जिसमें 13 मवेशियां बंदीस्त थी. पुलिस ने मवेशी व ट्रक जब्त किया है. सालेकसा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है. मवेशियों को चारा-पानी की व्यवस्था के लिए गौशाला में भेजा गया है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, आमगांव के उपविभागीय पुलिस अधिकारी के मार्गदर्शन में सालेकसा थाने के पुलिस निरीक्षक बाबासाहेब बोरसे, पुलिस उपनिरीक्षक अजय पाटिल, सिपाही वेदक, पुलिस नायक अग्निहोत्री ने की है.

धर्म के मार्ग पर चलकर निष्ठापूर्वक समाज कार्य व जन सेवा करें - मुनिश्री प्रणीत सागरजी

बुलंद गोंदिया। गोंदिया नगर में दिंगबर जैन संत 108 मुनीश्री प्रणीत सागरजी व 108 मुनिश्री निर्मोह सागरजी का चातुर्मास संपन्न हुआ, उस निमित्त 108 आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज के नाम का कलश शोभा यात्रा के साथ धार्मिक भजन व उत्सव के साथ पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के निवास स्थान पर स्थापित किया गया द्य गुरुदेव 108 श्री प्रणीत सागर महाराजजी द्वारा सत्य, अहिंसा व गौरक्षा के प्रति सदैव कार्य करने का उपदेश दिया व भारत की संस्कृति के अनुरूप युवा वर्ग धर्म के मार्ग पर चलकर निष्ठापूर्वक समाज कार्य व जन सेवा करें यह संदेश मुनिश्री प्रणीत सागरजी ने दिया द्य जैन परिवार द्वारा पादपक्षालन कर आशीर्वाद लिया गया ।कार्यक्रम में सर्वश्री राजेन्द्र जैन, निखिल जैन, संजय जैन , ज्ञानचंद पांड्या, राजकुमार जैन, सुरेंद्र जैन, नरेश जैन, रोहित जैन, रवि कासलीवाल, कल्लू जैन, तरुण अजमेरा, देवेंद्र अजमेरा, अशोक ठोल्या, हर्ष जैन,आनंद दयाचंद जैन, सुनील लगेज हाउस, धनेंद्र पांड्या, महेश जैन, कल्ली जैन, नरेश बंग, बालकृष्ण पटले, अखिलेश सेठ, केतन तुरकर, अमोल बेलगे, संकल्प जैन, नवीन जैन, अनिल जैन, सुन्नी जैन, आर्यन जैन, अमन पाटनी, ऋषभ जैन, अनिल पाटनी, हर्ष जैन, साथी जैन, पप्पू महाराज, संदीप साबुनवाले, मुकेश कासलीवाल, सोनू जैन, मृत्युंजय सिंग, हरगोविंद चौरसिया, शैलेश वासनिक, रमन ऊके, लखन बहेलिया, पवन पटले, अजय बेलगे, नागों सरकार, राजू येड़े, कपिल बावनथड़े, रौनक ठाकुर, कान्हा बघेले, नरेंद्र बेलगे, कुणाल बावनथड़े उपस्थित थे।

कार्यालय का कामकाज ठप

गोंदिया -जिला मुख्यालय में अनेक शासकीय कार्यालय हैं. इसमें से अधिकांश अधिकारी व कर्मचारी मुख्यालय में नहीं रहते हैं. बल्कि नागपुर, भंडारा, तुमसर व अन्य शहरों से ट्रेन से अप डाउन करते है. फिलहाल ट्रेनें घंटों विलंब से दौड़ रही है. जिससे अप डाउन करने वाला कोई भी अधिकारी-कर्मचारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंच रहा है.

दि महिला अर्बन को-ऑप.बैंक लि.गोंदिया

बैंक के समस्त सभासद बहने, खातेदार बहुन, भाई एवं शुभचिंतको को दीपावली एवं नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती डॉ.माधुरी योगेश नासरे
(अध्यक्ष)

एवं समस्त संचालक मंडल
व समस्त कर्मचारीवृंद

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ.नितेश बाजपाई
चेयरमेन, बालाजी फाऊंडेशन, गोंदिया

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

लोकेश (कल्लु) यादव
पुर्व पार्षद:नगर परिषद गोंदिया

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।